

प्रेस विज्ञप्ति

## समाज बदलने की मुहिम में जुटी हैं हजारों महिलायें

आबू रोड। जहाँ एक ओर लोग भौतिकता की दौड़ के साथ नित नये दिन अपनी जीवनशैली में परिवर्तन कर रहे हैं। वहीं पिछले 74 वर्षों से हजारों महिलायें नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए बेहतर विश्व की परिकल्पना साकार करने की मुहिम में लगी हुई हैं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, विश्व की पहली ऐसी संस्था है, जिसका संचालन महिलायें करती हैं। मानव जीवन से बुराईयों को दूर करने तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात करते हुए एक मिशाल कायम की है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका 94 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी जी के अगुवाई में 26 हजार महिलायें इस संस्था में समर्पित हैं। इन्होंने विश्व के 132 देशों में भारतीय संस्कृति और मूल्यों को प्रतिस्थापित करने का परचम फहराया है। व्यसनों, सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, हिंसा, भेदभाव से रहित दस लाख से भी ज्यादा लोगों की ऐसी लम्बी फेहरिस्त तैयार की है जो आने वाले नये युग और नयी समाज की परिकल्पना का जीवंत उदाहरण है। इसमें सभी वर्गों, जाति, धर्मों तथा आयु के लोग सम्मिलित हैं। अपने संयमित जीवन से श्रेष्ठता का पाठ पढ़ाने वाली बहनें शहरों से लेकर ग्रामीण सुदूर इलाकों तक जाकर लोगों को स्वच्छता, साक्षरता, नैतिकता तथा बेहतर जीवन प्रणाली के लिए प्रेरित करती हैं। इनके सान्निध्य से घर परिवार में रहने वाले लाखों लोगों ने अपने संयमित तथा खुशहाल जिन्दगी की मिशाल पेश की है। यही नहीं बल्कि इनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रदर्शन देखने को मिला है जो लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है।

ज्ञातव्य हो कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थान है। जिसका अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू राजस्थान में है। जो पिछले 74 वर्षों से समाज में बढ़ रहे अत्याचार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, हिंसा, सामाजिक कुरीतियों, अश्लीलता, जातिभेद, रंगभेद को समाप्त कर आपसी एकता, समरसता, अहिंसा तथा श्रेष्ठ समाज की स्थापना के लिए कार्यरत है।

यह संस्था संयुक्त राष्ट्र जन सूचना विभाग से सम्बन्ध एक अशासकीय संगठन है। इसे संयुक्त राष्ट्र बालकोष, आर्थिक एवं सामाजिक सलाहकार का दर्जा प्राप्त है। इसे संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा संचालित अन्तर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में दिये गये उल्लेखनीय योगदान के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय शांतिदूत पुरस्कार तथा छः राष्ट्रीय स्तर के पीस मेडल प्राप्त हुए हैं।

फोटो-श्रेष्ठ समाज बनाने का दृढ़ संकल्प लेती हजारों युवा बहनें।

**नोट:** इस समाचार को 7 मार्च को सभी समाचारपत्रों में देना है। इसके लिए फोटो भी है।